जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

के

स्नातकोत्तर कक्षाओं हेतु निर्धारित

संस्कृत विषय की पाठ्यक्रम विवरणिका

सत्र : २०१८-१९

संस्कृत विभाग

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया

जननायक चन्द्रशेखर विश्वविद्यालय, बलिया
हेतु एम.ए. (संस्कृत) का पाठ्यक्रम

संस्कृत विषय में स्नातकोत्तर (एम.ए.) उपाधि हेतु पूर्व प्रवृत्त सेमेस्टर प्रणाली अनुसार कुल चार सेमेस्टर होंगे। प्रथम सेमेस्टर में चार प्रश्नपत्र, द्वितीय सेमेस्टर में चार प्रश्नपत्र, तृतीय सेमेस्टर में चार प्रश्नपत्र तथा चतुर्थ सेमेस्टर में तीन प्रश्नपत्र होंगे। चतुर्थ सेमेस्टर का चतुर्थ प्रश्नपत्र मौखिकी होगा। प्रत्येक प्रश्नपत्र 100 अङ्कों का होगा। इस प्रकार कुल 1600 अङ्कों का पाठ्यक्रम होगा।

एम.ए. संस्कृत / प्रथम सेमेस्टर / प्रथम प्रश्नपत्र
(वेद एवं वैदिक वाङ्मय का इतिहास)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1- वेदों में वर्णित देवपरक सूक्तों के भावों का अर्थावबोध कराना।
2- सूक्तों में वर्णित भौगोलिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक भावों का बोध कराना।
3- सूक्तों में उल्लिखित मन्त्रद्रष्टाऋषि, देवता एवं छन्दों से परिचय कराना।
4- उपनिषदों में निर्दिष्ट प्राचीन शिक्षापद्धति का ज्ञान कराना।
5- वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय कराना।
6- वैदिक संहिता तथा ब्राह्मण ग्रन्थों का परिचय कराना।

इकाई 01. (ऋग्वेद) हिरण्यगर्भ सूक्त 10.121, नासदीय सूक्त 10.129

इकाई 02. (ऋग्वेद) वरुण सूक्त 1.25, विश्वामित्र-नदी सम्वाद 3.33

(यजुर्वेद) प्रजापति सूक्त अध्याय 32 का 1-5 तक

(अथर्ववेद) सामनस्य सूक्त 3.30

इकाई 03. तैत्तिरीयोपनिषद् (शिक्षा वल्ली)

इकाई 04. वैदिक संहिता एवं प्रमुख ब्राह्मण ग्रन्थों का परिचय।

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1. पाठक, डॉ. जमुना (2016) *नवीन वैदिक सञ्चयनम्* (द्वितीय भाग), चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
2. खेमका, राधेश्याम (2015) *वैदिक सूक्त सङ्ग्रह,* गीताप्रेस गोरखपुर।
3. गोयन्दका, हरिकृष्णदास, (2017) *ईशादि नौ उपनिषद्,* गीताप्रेस गोरखपुर।
4. उपाध्याय, पद्मभूषण आ0 बलदेव, (2006) *वैदिक साहित्य और संस्कृति,* शारदा संस्थान दुर्गाकुण्ड, वाराणसी।

एम.ए. संस्कृत / प्रथम सेमेस्टर / द्वितीय प्रश्नपत्र
(भारतीय दर्शन)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1- आस्तिक एवं नास्तिक भारतीय दर्शनों का सामान्य परिचय कराना।
2- सांख्यदर्शन के पच्चीस तत्त्वों का विशद अध्ययन कराना।
3- दार्शनिक तत्त्वों में निर्दिष्ट गूढ़ रहस्यों का बोध कराना।
4- न्यायदर्शन के प्रत्येक पदार्थों के प्रति चिन्तन हेतु छात्रों को प्रेरित करना।
5- विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता का विकास करना।
6- वेदान्तसार में वर्णित षड्कर्म आदि विषयों का बोध कराना।
7- समष्टि-व्यष्टि विषयक तथ्यों का सम्यक् ज्ञान कराना।

इकाई 01. साङ्ख्यकारिका (कारिका 01-18 तक)

इकाई 02. साङ्ख्यकारिका (कारिका 19-36 तक)

इकाई 03. तर्कभाषा (प्रारम्भ से अनुमान प्रमाण पर्यन्त)

इकाई 04. वेदान्तसारः (प्रारम्भ से पञ्चीकरण पर्यन्त)

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1. शास्त्री, डॉ. राकेश, (2017) *सांख्यकारिका,* संस्कृत ग्रन्थागार, दिल्ली।
2. त्रिपाठी, डॉ. रमाशङ्कर (2015) *सांख्यकारिका,* चौखम्भा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
3. पाण्डेय, डॉ. ओमप्रकाश, (2016) *सांख्यतत्त्वकौमुदी,* चौखम्भा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
4. सिद्धान्तशिरोमणि, आचार्य विश्वेश्वर, (2016) *तर्कभाषा,* चौखम्भा संस्कृत भवन, वाराणसी।
5. शुक्ल, श्रीबदरी नाथ, (2010), *तर्कभाषा,* मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
6. श्रीवास्तव्य, डॉ. सन्तनारायण, (2019) *वेदान्तसारः,* चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
7. त्रिपाठी, डॉ. यमुनाराम, (1998) *वेदान्तसारः,* शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

एम.ए. संस्कृत / प्रथम सेमेस्टर / तृतीय प्रश्नपत्र
(पालि, प्राकृत एवं भाषाविज्ञान)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1- भाषा की उत्पत्ति विषयक प्राचीन से लेकर आधुनिक मतों का अध्ययन कराना।
2- विश्व के धरातल पर भाषा वर्गीकरण का सम्यक् ज्ञान कराना।
3- भाषा परिवर्तन, ध्वनिविज्ञान आदि का सूक्ष्मतम अध्ययन कराना।
4- भारोपीय भाषा परिवार में आने वाली भाषाओं का विशेष परिचय कराना।
5- वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में विहित अन्तर को स्पष्ट कराना।
6- पालि एवं पाकृत भाषा के व्याकरण का सामान्य परिचय देना।
7- पालि एवं प्राकृत भाषा के प्रमुख अन्तरों को स्पष्ट कराना।

इकाई 01. भाषा की उत्पत्ति (विविध मत), आकृतिमूलक वर्गीकरण

इकाई 02. भाषा परिवर्तन, कारण एवं दिशाएँ, ध्वनिविज्ञान (वाग्यन्त्र)

इकाई 03. संस्कृत भाषाविज्ञान, भारोपीय भाषा परिवार, संस्कृत का अवेस्ता आदि से सम्बन्ध, वैदिक एवं लौकिक संस्कृत में अन्तर

इकाई 04. (क) पालि-पाठमाला से सुंसुमारजातकम्, वानरिन्दजातकम्, उलूकजातकम्

(ख) प्राकृत प्रवेशिका से सुभाषितानि, दोला-लीला, चक्रवत्परिवर्तन्ते तथा अभिशापमर्षणम्

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1. द्विवेदी, पद्मश्री पं0 कपिलदेव, (2016) *भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र,* विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. तिवारी, डॉ. भोलानाथ, (2019) *भाषाविज्ञान,* किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद।
3. मिश्र, डॉ. बाँकेलाल, (1999) *पालि-पाङ्गमाला,* वाराणसेय संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
4. जैन, डॉ. कोमलचन्द्र, (2013) *प्राकृत-प्रवेशिका,* तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी।
5. गुप्त, श्रीकन्छेदी लाल, (2014) *धम्मपदम्,* चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

एम.ए. संस्कृत / प्रथम सेमेस्टर / चतुर्थ प्रश्नपत्र
(काव्य एवं व्याकरण)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1- विद्यार्थियों को संस्कृत साहित्य का सामान्य परिचय कराना।
2- महाकाव्य एवं चरितकाव्य के विशेष तथ्यों का ज्ञान कराना।
3- आदि वैयाकरणाचार्य पाणिनि, पतञ्जलि एवं कात्यायन का सामान्य परिचय देना।
4- सुबन्त प्रत्ययों से बने राम आदि शब्दों की रूपसिद्धि का अभ्यास कराना।
5- व्याकरण के तत्त्वों- सुबन्त, अजन्त एवं विभक्ति आदि का सामान्य अध्ययन कराना।
6- कारक के सामान्य नियमों का उल्लेख करते हुए उनके सूत्रों का उदाहरण सहित विशेष अध्ययन कराना।

इकाई 01. विक्रमाङ्कदेवचरितम् (प्रथम सर्ग, श्लोक 01-40 तक)

इकाई 02. व्याकरणमहाभाष्यम् (पस्पशाह्निक)

इकाई 03. लघुसिद्धान्तकौमुदी (अजन्त प्रकरण) राम, हरि, रमा, गौरी, ज्ञान तथा वारि शब्दों की सिद्धि

इकाई 04. सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण) (प्रथमा से चतुर्थी तक)

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1. मुसलगाँवकर, डॉ. केशवराव, (2002) *विक्रमाङ्कदेवचरितम्* (प्रथम सर्ग), चौखम्भा संस्कृत भवन, वाराणसी।
2. त्रिपाठी, प्रो. जयशङ्कर लाल, (2016) *व्याकरणमहाभाष्यम्* (पस्पशाह्निक), चौखम्भा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
3. मिश्र, आचार्य मधुसूदन प्रसाद, (2003) *व्याकरणमहाभाष्यम्* (पस्पशाह्निक), चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
4. शास्त्री, श्रीधरानन्द, (2016) *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
5. शास्त्री, भीमसेन (2015) *लघुसिद्धान्तकौमुदी* (द्वितीय भाग), भैमी प्रकाशन, लाजपतराय मार्केट, दिल्ली।
6. मिश्र, पं. ज्योतिस्वरूप, (1996) *सिद्धान्तकौमुदी* (कारक प्रकरण), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

एम.ए. संस्कृत /द्वितीय सेमेस्टर / प्रथम प्रश्नपत्र

(वेद एवं वैदिक वाङ्मय का इतिहास)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1- वेदों में वर्णित देवपरक सूक्तों के भावों का अर्थावबोध कराना।
2- सूक्तों में वर्णित भौगोलिक, सामाजिक एवं आध्यात्मिक भावों का बोध कराना।
3- सूक्तों में उल्लिखित मन्त्रद्रष्टाऋषि, देवता एवं छन्दों से परिचय कराना।
4- उपनिषदों में निर्दिष्ट प्राचीन शिक्षापद्धति का ज्ञान कराना।
5- वैदिक साहित्य का सामान्य परिचय कराना।
6- प्रमुख वैदिक उपनिषदों एवं षड् वेदाङ्गों का सामान्य परिचय कराना।

इकाई 01. (ऋग्वेद) वाक् सूक्त 10.125, पर्जन्य सूक्त 5.83, कितव सूक्त 10.34

इकाई 02. (क) शतपथ-ब्राह्मण से वाङ्मनस् सम्वाद 1.4.5.8-13

(ख) ऐतरेय आरण्यक से पुरुषविभूति 2.1.7.1

इकाई 03. तैत्तिरीयोपनिषद् (ब्रह्मानन्द वल्ली)

इकाई 04. उपनिषद् एवं वेदाङ्गों का परिचय

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1. पाठक, डॉ. जमुना (2016) *नवीन वैदिक सञ्चयनम्* (द्वितीय भाग), चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
2. खेमका, राधेश्याम (2015) *वैदिक सूक्त सङ्ग्रह,* गीताप्रेस गोरखपुर।
3. गोयन्दका, हरिकृष्णदास, (2017) *ईशादि नौ उपनिषद्,* गीताप्रेस गोरखपुर।
4. उपाध्याय, पद्मभूषण आ0 बलदेव, (2006) *वैदिक साहित्य और संस्कृति,* शारदा संस्थान दुर्गाकुण्ड, वाराणसी।

एम.ए. संस्कृत / द्वितीय सेमेस्टर / द्वितीय प्रश्नपत्र

(भारतीय दर्शन)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1- आस्तिक एवं नास्तिक भारतीय दर्शनों का सामान्य परिचय कराना।
2- दार्शनिक तत्त्वों में निर्दिष्ट गूढ़ रहस्यों का बोध कराना।
3- सांख्यदर्शन के अनुसार स्थूल एवं सूक्ष्म विषयों के साथ उसके अवान्तर भेदों का परिचय कराना।
4- विद्यार्थियों में तार्किक क्षमता का विकास करना।
5- न्यायदर्शन के उपमान तथा शब्द प्रमाण का विशद विवेचन कराना।
6- वेदान्तदर्शन के स्थूल प्रपञ्च आदि विषयों का विशेष अध्ययन कराना।

इकाई 01. साङ्ख्यकारिका (कारिका 37-54 तक)

इकाई 02. साङ्ख्यकारिका (कारिका 55-72 तक)

इकाई 03. तर्कभाषा (उपमान प्रमाण तथा शब्द प्रमाण)

इकाई 04. वेदान्तसारः (स्थूल प्रपञ्च से अन्त तक)

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1. शास्त्री, डॉ. राकेश, (2017) *सांख्यकारिका,* संस्कृत ग्रन्थागार, दिल्ली।
2. त्रिपाठी, डॉ. रमाशङ्कर (2015) *सांख्यकारिका,* चौखम्भा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
3. पाण्डेय, डॉ. ओमप्रकाश, (2016) *सांख्यतत्त्वकौमुदी,* चौखम्भा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
4. सिद्धान्तशिरोमणि, आचार्य विश्वेश्वर, (2016) *तर्कभाषा,* चौखम्भा संस्कृत भवन, वाराणसी।
5. शुक्ल, श्रीबदरी नाथ, (2010), *तर्कभाषा,* मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
6. श्रीवास्तव्य, डॉ. सन्तनारायण, (2019) *वेदान्तसारः,* चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
7. त्रिपाठी, डॉ. यमुनाराम, (1998) *वेदान्तसारः,* शारदा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।

एम.ए. संस्कृत / द्वितीय सेमेस्टर / तृतीय प्रश्नपत्र

(पालि, प्राकृत एवं भाषाविज्ञान)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1- भारोपीय भाषा परिवार का परिचय कराना।
2- भारतीय तथा ईरानी भाषा का सामान्य अध्ययन कराना।
3- प्राचीन तथा मध्यकालीन आर्य भाषाओं का सामान्य परिचय कराना।
4- भाषा से सम्बन्धित पद विज्ञान एवं अर्थ विज्ञान का अध्ययन कराना।
5- भाषा विज्ञान में प्राचीन भारतीय आचार्यों के योगदान से परिचय कराना।
6- धम्मपद एवं प्राकृत प्रवेशिका के प्रमुख अवतरणों से परिचय कराना।

इकाई 01. भारोपीय भाषा परिवार का परिचय, भारतेरानीशाखा तथा प्राचीन एवं मध्यकालीन आर्यभाषाएँ

इकाई 02. पदविज्ञान, अर्थविज्ञान, संस्कृत तथा आर्येतर भाषाएँ

इकाई 03. संस्कृत का ध्वनिविज्ञान, प्राचीन भारतीय आचार्यों का योगदान

इकाई 04. (क) धम्मपद से यमकवग्गो, अप्पमादवग्गो, चित्तवग्गो

(ख) प्राकृत प्रवेशिका से प्रत्यभिज्ञानकम्, कापटिक-प्रलापः, विनयोपदेशः, दशधर्माणि

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1. द्विवेदी, पद्मश्री पं0 कपिलदेव, (2016) *भाषाविज्ञान एवं भाषाशास्त्र,* विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
2. तिवारी, डॉ. भोलानाथ, (2019) *भाषाविज्ञान,* किताब महल, सरोजनी नायडू मार्ग, इलाहाबाद।
3. मिश्र, डॉ. बाँकेलाल, (1999) *पालि-पाठमाला,* वाराणसेय संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
4. जैन, डॉ. कोमलचन्द्र, (2013) *प्राकृत-प्रवेशिका,* तारा बुक एजेन्सी, वाराणसी।
5. गुप्त, श्रीकन्छेदी लाल, (2014) *धम्मपदम्,* चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

एम.ए. संस्कृत / द्वितीय सेमेस्टर / चतुर्थ प्रश्नपत्र

(काव्यशास्त्र एवं व्याकरण)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1- अलङ्कारशास्त्रीय तत्त्वों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
2- अलङ्कारशास्त्रीय ज्ञान के आधार पर रचनात्मक क्षमता का विकास कराना।
3- काव्यप्रकाश के प्रमुख अलङ्कारों से विशेष परिचय कराना।
4- तिङन्त प्रत्ययों से निर्मित भू आदि धातु से बने धातुरूपों की सिद्धि कराना।
5- व्याकरण के तत्त्वों- तिङन्त, भ्वादिगण, विभक्ति आदि का अध्ययन कराना।
6- कारकों का नियमोल्लेख पूर्वक सूत्रों का विशेष अध्ययन कराना।

इकाई 01. काव्यप्रकाशः (नवम तथा दशम उल्लास) अनुप्रास, यमक, पुनरुक्तवदाभास, उपमा, अनन्वय, उत्प्रेक्षा, ससन्देह, रूपक, अपह्नुति, समासोक्ति, प्रतिवस्तूपमा, दीपक, तुल्ययोगिता।

इकाई 02. काव्यप्रकाशः- व्यतिरेक, विभावना, विशेषोक्ति, विरोधाभास, काव्यलिङ्ग, परिकर, स्मरण, भ्रान्तिमान, संसृष्टि तथा सङ्कर अलङ्कार।

इकाई 03. लघुसिद्धान्तकौमुदी (तिङन्त प्रकरण) भू, अद्, शीङ् धातुरूपों की सिद्धि एवं सूत्र व्याख्या

इकाई 04. सिद्धान्तकौमुदी (कारक प्रकरण) (पञ्चमी से सप्तमी तक)

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1. सिद्धान्तशिरोमणि, आचार्य विश्वेश्वर, (2019) *काव्यप्रकाशः,* ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।
2. भट्ट, वामनाचार्य, (2017), *काव्यप्रकाशः,* परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली।
3. शास्त्री, श्रीधरानन्द, (2016) *लघुसिद्धान्तकौमुदी,* मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
4. शास्त्री, भीमसेन (2015) *लघुसिद्धान्तकौमुदी* (द्वितीय भाग), भैमी प्रकाशन, लाजपतराय मार्केट, दिल्ली।
5. मिश्र, पं. ज्योतिस्वरूप, (1996) *सिद्धान्तकौमुदी* (कारक प्रकरण), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

साहित्य वर्ग

एम.ए. संस्कृत / तृतीय सेमेस्टर / प्रथम प्रश्नपत्र

(काव्यशास्त्र)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1- काव्यशास्त्रीय ज्ञान के आधार पर विद्यार्थियों में रचनात्मक कौशल का विकास कराना।
2- काव्यशास्त्रों में प्रतिपादित काव्यप्रयोजन, काव्यहेतु, काव्यलक्षण एवं उनके भेदों का अध्ययन कराना।
3- काव्यशास्त्रीय तत्त्वों- अभिधा, लक्षणा व्यञ्जना शक्तियों का अध्ययन कराना।
4- ध्वनि के भेदों-प्रभेदों का परिचय कराना।
5- रसस्वरूप का परिचय कराते हुए उनके भेदों का अध्ययन कराना।
6- भरतमुनि के रससूत्र के चार व्याख्याकारों के सिद्धान्तों का बोध कराना।

इकाई 01. काव्यप्रकाशः (प्रथम उल्लास)

इकाई 02. काव्यप्रकाशः (द्वितीय उल्लास, कारिका 01-09 तक)

इकाई 03. काव्यप्रकाशः (द्वितीय उल्लास, कारिका 10 से अन्त तक)

इकाई 04. काव्यप्रकाशः (चतुर्थ उल्लास, कारिका 29 तक)

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1. सिद्धान्तशिरोमणि, आचार्य विश्वेश्वर, (2019) *काव्यप्रकाशः,* ज्ञानमण्डल लिमिटेड, वाराणसी।
2. भट्ट, वामनाचार्य, (2017), *काव्यप्रकाशः,* परिमल पब्लिकेशन्स, दिल्ली।
3. शर्मा श्रीनिवास, (2016) *काव्यप्रकाशः,* भारतीय एजेन्सी प्रकाशन, वाराणसी।
4. ठाकुर, श्री गोविन्द, (2013) *काव्यप्रकाशः,* सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी।

साहित्य वर्ग

एम.ए. संस्कृत / तृतीय सेमेस्टर / द्वितीय प्रश्नपत्र

(रूपक एवं नाट्यशास्त्र)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1- प्रकरण में प्राप्त दो प्रकार की नायिका भेद में अन्तर स्पष्ट कराना।
2- विदूषक की विशेषताओं का अध्ययन कराना।
3- शूद्रक की नाट्यकला का विद्यार्थियों को विस्तृत बोध कराना।
4- रूपक के दश भेदों का सामान्य परिचय देना।
5- आधिकारिक एवं प्रासङ्गिक कथा-भेद में अन्तर स्पष्ट कराना।
6- नाट्यशास्त्रीय तत्त्वों- अर्थप्रकृतियाँ, कार्यावस्था एवं सन्धियों का अध्ययन कराना।
7- नायक एवं नायिकाओं के भेद-प्रभेदों का विस्तृत विवेचन कराना।

इकाई 01. मृच्छकटिकम् (अङ्क 01 से 03 तक)

इकाई 02. मृच्छकटिकम् (अङ्क 04 से 05 तक)

इकाई 03. दशरूपकम् (प्रथम प्रकाश)

इकाई 04. दशरूपकम् (द्वितीय प्रकाश)

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1- मिश्र, डॉ. जगदीश चन्द्र, (2006) *मृच्छकटिकम्,* चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
2- त्रिपाठी, प्रो. जयशङ्कर लाल, (2010) *मृच्छकटिकम्,* चौखम्बा कृष्णदास अकादमी, वाराणसी।
3- त्रिपाठी, डॉ. रमाशङ्कर, (2011) *दशरूपकम्,* विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4- दहाल, लोकमणि, (2008) *दशरूपकम्,* चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

साहित्य वर्ग

एम.ए. संस्कृत / तृतीय सेमेस्टर / तृतीय प्रश्नपत्र

(गद्यकाव्य)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1- गद्यकाव्य के भेदों-प्रभेदों का उल्लेख कराना।
2- गद्य सम्राट् महाकवि बाणभट्ट की गद्य शैली से परिचय कराना।
3- गद्यकाव्य की प्रमुख विशेषताओं का सामान्य अध्ययन कराना।
4- हर्षचरित कथानक के माध्यम से बाणभट्ट के पूर्ववर्ती कवियों का परिचय कराना।
5- गद्यसाहित्य के कलापक्ष एवं भावपक्ष का अध्ययन कराना।
6- बाणभट्ट की समासविधान का विशेष परिचय कराना।

इकाई 01. हर्षचरितम् (प्रथम उच्छवास, श्लोक 01 से 20 तक)

इकाई 02. हर्षचरितम् (प्रथम उच्छवास, श्लोक 21 से तां निशामनयत् तक)

इकाई 03. हर्षचरितम् (प्रथम उच्छवास, अपरेद्युरुदिते से व्यचेष्टत मधुकरकुलैः तक)

इकाई 04. हर्षचरितम् (प्रथम उच्छवास, अथ गणरात्रापगमे से अन्त तक)

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1- पन्त, श्री मोहनदेव, (2014) *हर्षचरितम्* (प्रथम उच्छवास), मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
2- पाण्डेय, श्री शिवनाथ (2014) *हर्षचरितम्* (प्रथम उच्छवास), चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
3- पाठक, जगन्नाथ (2006) *हर्षचरितम्* (प्रथम उच्छवास) चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

साहित्य वर्ग

एम.ए. संस्कृत / तृतीय सेमेस्टर / चतुर्थ प्रश्नपत्र

(पद्यकाव्य)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1- महाकाव्य के लक्षण से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
2- काव्य के भेदों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
3- संस्कृत पद्यों की गीतात्मकता का परिचय कराना।
4- काव्य के भावपक्ष एवं कलापक्ष से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
5- नलदमयन्ती कथा का संक्षेप में उल्लेख कराना।
6- निषधदेश के राजा नल की विशेषताओं से परिचित कराना।

इकाई 01. नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग, श्लोक 01 से 25 तक)

इकाई 02. नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग, श्लोक 26 से 64 तक)

इकाई 03. नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग, श्लोक 65 से 118 तक)

इकाई 04. नैषधीयचरितम् (प्रथम सर्ग, श्लोक 119 से अन्त तक)

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1- शास्त्री, डॉ. सुरेन्द्र देव, (2000) *नैषधीयमहाकाव्यम्* (प्रथम सर्ग), चौखम्भा पब्लिशर्स, वाराणसी।

2- रेग्मी, आचार्य शेषराज शर्मा, (2016) *नैषधीयचरितम्* (प्रथम सर्ग), चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

3- पाण्डेय, श्री धुरन्धर, (2010) *नैषधीयचरितम्* (प्रथम सर्ग), भारतीय विद्या संस्थान, वाराणसी।

साहित्य वर्ग

एम.ए. संस्कृत / चतुर्थ सेमेस्टर / प्रथम प्रश्नपत्र

(काव्यशास्त्र)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1- साहित्यशास्त्र के षड् सम्प्रदायों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
2- ध्वनि के प्रवर्तकाचार्य एवं प्रतिष्ठापकाचार्य का सामान्य परिचय कराना।
3- ध्वनि के प्रमुख विरोधी मतों से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
4- 'ध्वनि काव्य का आत्मा है' इस सिद्धान्त का विशद अध्ययन कराना।
5- विद्यार्थियों को षड् वक्रता से परिचित कराना।
6- साहित्य के लक्षण से विद्यार्थियों का बोध कराना।

इकाई 01. ध्वन्यालोकः (प्रथम उद्योत, कारिका 01 से 13 तक)

इकाई 02. ध्वन्यालोकः (प्रथम उद्योत, कारिका 14 से अन्त तक)

इकाई 03. वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष, कारिका 01 से 22 तक)

इकाई 04. वक्रोक्तिजीवितम् (प्रथम उन्मेष, कारिका 23 से अन्त तक)

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1- पाठक, आचार्य जगन्नाथ, (2014) *ध्वन्यालोकः* (प्रथम उद्योत), चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
2- द्विवेदी शिवप्रसाद, (2015) *ध्वन्यालोकः* (प्रथम उद्योत), चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3- शुक्ल, आचार्य चण्डिका प्रसाद (2019) *ध्वन्यालोकः* (प्रथम उद्योत), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4- मिश्र, श्री राधेश्याम (2007) *वक्रोक्तिजीवितम्* (प्रथम उन्मेष) चौखम्भा संस्कृत संस्थान, वाराणसी।
5- द्विवेदी, डॉ. दशरथ, (2019) *वक्रोक्तिजीवितम्* (प्रथम उन्मेष), विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।

साहित्य वर्ग

एम.ए. संस्कृत / चतुर्थ सेमेस्टर / द्वितीय प्रश्नपत्र

(रूपक एवं नाट्यशास्त्र)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1- विद्यार्थियों को रूपक से नाटिका का भेद स्पष्ट कराना।
2- धीरललित नायक की विशेषताओं से परिचित कराना।
3- स्वकीया एवं परकीया नायिका का विशेष अध्ययन कराना।
4- रूपक के दशों भेदों का लक्षण सहित भेद स्पष्ट कराना।
5- नाटक में भारती वृत्ति के महत्त्व से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
6- विभाव, अनुभाव एवं व्यभिचारिभाव आदि का विशेष अध्ययन कराना।

इकाई 01. रत्नावली नाटिका (प्रथम एवं द्वितीय अङ्क)

इकाई 02. रत्नावली नाटिका (तृतीय एवं चतुर्थ अङ्क)

इकाई 03. दशरूपकम् (तृतीय प्रकाश)

इकाई 04. दशरूपकम् (चतुर्थ प्रकाश)

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1- त्रिपाठी, डॉ. श्रीकृष्ण, (2008) *रत्नावली नाटिका,* चौखम्भा संस्कृत भवन, वाराणसी।
2- पाण्डेय, पं. परमेश्वरदीन, (2003) *रत्नावली नाटिका,* चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3- त्रिपाठी, डॉ. रमाशङ्कर, (2011) *दशरूपकम्,* विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4- दहाल, लोकमणि, (2008) *दशरूपकम्,* चौखम्बा अमरभारती प्रकाशन, वाराणसी।

साहित्य वर्ग
एम.ए. संस्कृत / चतुर्थ सेमेस्टर / तृतीय प्रश्नपत्र
(चम्पूकाव्य एवं गीतिकाव्य)

पूर्णाङ्क : 100

उद्देश्य-

1- गद्य-पद्य मिश्रित चम्पू विधा से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
2- त्रिविक्रम भट्ट की श्लेष शैली से परिचय कराना।
3- निषधा नगरी की विशेषताओं से विद्यार्थिओं को परिचित कराना।
4- खण्डकाव्य अथवा गीतिकाव्य का सामान्य अध्ययन कराना।
5- रामगिरि पर्वत की विशेषताओं से विद्यार्थियों को परिचित कराना।
6- मेघदूत के अनुसार मेघमार्ग का अध्ययन कराना।

इकाई 01. नलचम्पूः (प्रथम उच्छ्वास, श्लोक 01 से 16 तक)

इकाई 02. नलचम्पूः (प्रथम उच्छ्वास, श्लोक 17 से 33 तक)

इकाई 03. मेघदूतम् (पूर्वमेघ, श्लोक 01 से 29 तक)

इकाई 04. मेघदूतम् (पूर्वमेघ, श्लोक 30 से अन्त तक)

निर्देश : *प्रथम प्रश्न 40 अङ्कों का अनिवार्य होगा। इसमें चार-चार अङ्कों के दश लघूत्तरीय प्रश्न पूछें जायेंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे। शेष पन्द्रह-पन्द्रह अङ्कों के चार प्रश्न करने होंगे, जो सभी इकाइयों से सम्बद्ध होंगे, ये प्रश्न व्याख्यात्मक, समीक्षात्मक एवं टिप्पणात्मक होंगे।*

सहायक ग्रन्थ :

1- शास्त्री, श्री धारादत्त, (2016) *नलचम्पू* (प्रथम उच्छवास), मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी।
2- पाण्डेय, पं. परमेश्वरदीन, (2008) *नलचम्पू* (प्रथम उच्छवास), चौखम्भा सुरभारती प्रकाशन, वाराणसी।
3- त्रिपाठी, डॉ. रमाशङ्कर, (2015) *मेघदूतम्* विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
4- रेग्मी, आचार्य श्रीशेषराज शर्मा, (2016), *मेघदूतम्,* चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।
5- शास्त्री, डॉ. दयाशङ्कर, (2016), *मेघदूतम्,* चौखम्बा विद्याभवन, वाराणसी।

साहित्य वर्ग
एम.ए. संस्कृत / चतुर्थ सेमेस्टर / चतुर्थ प्रश्नपत्र

मौखिकी **पूर्णाङ्क : 100**